भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2124

उत्तर दिनांक 12/03/2025 को दिया गया

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

2124. श्री राजेश वर्मा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) देश भर में कैंसर देखभाल सुविधा प्रदान करने में राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) की क्या भूमिका है, साथ ही पिछले दो वर्षों के दौरान नेटवर्क में जोड़े गए कैंसर केंद्रों की संख्या कितनी है और उक्त ग्रिड के अंतर्गत उपचार किए गए कैंसर रोगियों का अनुपात क्या है;

(ख) एनसीजी द्वारा भारत में कैंसर निदान, उपचार प्रोटोकॉल और अनुसंधान में सुधार के लिए क्या प्रमुख पहल की गई है;

(ग) विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से स्थापित एसईएसीएएन ग्रिड के उद्देश्य क्या हैं और उक्त ग्रिड ने क्या प्रगति की है और भारत किस तरह से इस क्षेत्र में कैंसर नियंत्रण में सुधार करने में योगदान दे रहा है; और

(घ) सरकार द्वारा एनसीजी की पहुंच का देश के भीतर और अधिक विस्तार करने और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में कैंसर देखभाल और नियंत्रण प्रयासों को मजबूत करने के लिए एसईएसीएएन ग्रिड के तहत सहयोग बढ़ाने हेतु भावी योजनाएं क्या हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) एनसीजी ने कैंसर देखभाल के समान मानकों की दिशा में कार्य किया है, ऑन्कोलॉजी में प्रशिक्षित कार्यबल विकसित करने और कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए लागत-प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बहु-केंद्रित कैंसर अनुसंधान का समर्थन किया है।

एनसीजी में 362 सदस्य संगठन हैं। पिछले दो वर्षों में एनसीजी में कुल 70 कैंसर केंद्र जोड़े गए हैं। इन केंद्रों में, वार्षिक कुल 8,00,000 नए कैंसर मामलों का इलाज किया जाता है। इस प्रकार एनसीजी की किसी भी पहल का व्यापक और दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावनाएं हैं।

(ख) भौगोलिक स्थिति या सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बावजूद सभी को एक समान कैंसर सेवा प्रदान करने के लिए प्रयासरत एनसीजी द्वारा निम्नलिखित प्रमुख पहल की गई हैं।

i. लागत-प्रभावी और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के आधार पर कैंसर के प्रबंधन के लिए संसाधन स्तरीकृत दिशानिर्देश।

ii. एबी-पीएमजेएवाई लाभार्थियों को सेवा प्रदान करने में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों को एबी-पीएमजेएवाई से जोड़ा गया हैं।

iii. ऑन्कोलॉजी पैकेज और उपचार मूल्य-आधारित देखभाल को बढ़ावा देने को सुनिश्चित करने के लिए, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन करने के लिए क्षमता का निर्माण।

iv. सभी उच्च-मूल्य वाली कैंसर-रोधी दवाओं के लिए सामूहिक वार्ता, जिसमें कीमत में औसतन 82% की कमी आई और पहुंच एवं वहन क्षमता में सुधार हुआ।

v. एनसीजी-सर्जिकल पैथोलॉजी गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम द्वारा निदान का मानकीकरण, ताकि सभी भागीदार केंद्रों में सही निदान सुनिश्चित हो सके।

vi. गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम जो सभी प्रकार की कैंसर देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र को प्रशिक्षित करते हैं।

vii. उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर देखभाल प्रदान करने के लिए देश भर से नर्सों, रोग निदानज्ञाताओं (पैथोलॉजिस्ट) और तकनीशियनों सहित स्वास्थ्य-देखभाल पेशेवरों का प्रशिक्षण।

viii. किसी भी स्थान पर किसी भी कैंसर केंद्र में सभी जटिल कैंसर मामलों के लिए कैंसर विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक टीम से निदान और उपचार के लिए वर्चुअल ट्यूमर बोर्ड।

ix. इंटरऑपरेबल ऑन्कोलॉजी विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड समाधान का विकास।

x. रोकथाम से लेकर उपचार तक कैंसर की देखभाल में सुधार के लिए डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाने के लिए कोइता डिजिटल ऑन्कोलॉजी केंद्र की स्थापना। यह पूरी तरह से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अनुरूप है।

xi. "राष्ट्रीय कैंसर डेटाबेस" के रूप में एकीकृत डेटा संग्रह एवं संकलन, जो सभी कैंसर नीतियों और राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण योजना को मार्गदर्शन प्रदान करेगा। पांच सामान्य कैंसर के लिए प्रारंभिक डेटाबेस स्थापित किए गए।

xii. रोगियों के घर के पास कैंसर सेवा प्रदान करने के लिए डिजिटल तकनीक कंपनियों के साथ साझेदारी करना।

xiii. कैंसर के कारणों को समझने, निर्धारण करने और नए कैंसर-रोधी उपचार और निवारक प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एनसीजी में राष्ट्रीय ट्यूमर ऊतक बायोबैंक की शुरुआत।

xiv. इलाज दर को बढ़ाने हेतु बचपन में होने वाले तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के उपचार का अनुकूलन - विश्व में अब तक का सबसे बड़ा परीक्षण किया गया।

xv. सामान्य कैंसरों के लिए किफायती उपचार विकल्प प्रदान करने के लिए दवाओं (एस्पिरिन, मेटफॉर्मिन और करक्यूमिन) का पुन: उपयोग।

xvi. उच्च-गुणवत्ता वाले कैंसर अनुसंधान के लिए ऑन्कोलॉजिस्ट को कैरियर की शुरूआत में

प्रशिक्षित करना। आज तक 400 से अधिक ऑन्कोलॉजिस्ट प्रशिक्षित किए जा चुके हैं।

xvii. कैंसर अनुसंधान के लिए प्राथमिक कार्यसूची निर्धारित करना और देश-प्रासंगिक अनुसंधान हेतु निधि प्रदान करने के लिए आईसीएमआर (संयुक्त मिलान वित्तपोषण सहित) के साथ सहयोग। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

1. उन्नत अवस्था में कैंसर के निदान वाले रोगियों की संख्या को कम करना
2. समाधान-उन्मुख अनुसंधान के माध्यम से कैंसर देखभाल की पहुंच, वहन क्षमता और परिणामों में सुधार
3. कैंसर हस्तक्षेपों और प्रौद्योगिकियों का देश-स्तरीय स्वास्थ्य आर्थिक मूल्यांकन
4. गुणवत्ता सुधार और क्रियान्वयन अनुसंधान
5. मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्य द्वारा समर्थित कैंसर नियंत्रण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना
6. एनसीजी-विश्वम, एएसईएएन और बीआईएमएसटीईसी के माध्यम से अन्य निम्न-मध्यम आय वाले देशों के साथ सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करना और एसईएकेन ग्रिड की स्थापना करना

(ग) रोकथाम, निदान और उपचार के मानकों की कमी और अपर्याप्त प्रशिक्षित मानव संसाधनों के कारण दक्षिण-पूर्व एशियाई (एसईए) के कई देश कैंसर नियंत्रण में समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह देखते हुए कि एनसीजी ने इनमें से कई चुनौतियों का सफल पहलों के माध्यम से समाधान कर लिया है जिन्हें इन देशों में दोहराया जा सकता है, एनसीजी ने डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के साथ एसईएकेन ग्रिड की स्थापना की है। इसका उद्देश्य वर्चुअल ट्यूमर बोर्ड शुरू करना, उपचार दिशानिर्देशों को साझा करना, मिश्रित शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करना और वैयक्तिक रूप से अध्येतावृत्ति प्रदान करना है।

(घ) एनसीजी अपनी क्षमता और अपने सभी पहलों से प्राप्त जानकारी का उपयोग करके राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम को सह-विकास की योजना बना रहा है। कैंसर देखभाल और प्रशिक्षण के सभी पहलुओं का समाधान करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर बहुत अधिक जोर दिया गया हैं। आगामी वर्षों में, एनसीजी पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में कैंसर नियंत्रण को इष्टतम रूप से प्राप्त करने के लिए एसईएकेन ग्रिड के माध्यम से अपनी सभी पहलों का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

*****